ज्ञात वर्ण की

1. (रु) और (रू) में 'उ' और 'ऊ' की मात्रा की बनावट देखिए–

रु – र् + उ

रू – र् + ऊ

रु और रू की मात्रा वाले तीन-तीन शब्द लिखिए–

रु – रुकना ....रुपया........ ....रुई........ ....अरुण........

रू – रूप ....रूठना........ ....अमरूद........ ....ज़रूर........

2. पाठ में अनेक संयुक्ताक्षर युक्त शब्द आए हैं। इन शब्दों का उच्चारण कीजिए–

विद्वान, वैद्य, इच्छा, उन्हें, कष्ट, योग्य, प्राप्त, व्यर्थ, रक्त, प्रयत्न

पाँच अन्य संयुक्ताक्षर वाले शब्द लिखिए–

पत्थर खोज प्यास सत्य ध्यान

3. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए–

श्रम – श् + र् + अ + म् + अ

एकत्र – ए + क् + अ + त् + र् + अ

वैद्य – व् + ऐ + द् + य् + अ

बात शब्द की

1. निम्नलिखित शब्दों के पुल्लिंग रूप पाठ में से ढूँढकर लिखिए–

विदुषी – विद्वान रोगिणी – रोगी

2. वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए–

जो लक्ष्य से न चूके – अचूक

जो सिद्ध न हो सके – असाध्य

3. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

संभव – असंभव

उपयोगी – अनुपयोगी

संतोष – असंतोष

सहनीय – असहनीय

सरलता – कठिनाई

हर्ष – विषाद

प्रारंभ – अंत

निराश – आशा

4. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण शब्द बनाइए–

धैर्य – धैर्यवान

हिम्मत – हिम्मती

खोज – खोजी

परिश्रम – परिश्रमी

सरलता – सरल

दुख – दुखी

वाक्य की

पाठ में से देखकर क्रिया की विशेषता बताने वाले क्रियाविशेषण शब्द छाँटकर वाक्य पूरे कीजिए–

क. वे जंगल में मारे-मारे फिरने लगे। → कैसे फिरने लगे?

ख. पूरा दिन यहाँ-वहाँ भटकने के बाद → कहाँ भटकने के बाद?
भी उन्हें बूटी नहीं मिली।

ग. बूटी तो वहीं थी। → कहाँ थी?

घ. जड़ी विनम्र कह रही थी। → कैसे कह रही थी?